डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

डॉ० अनुजा कुमारी (History)
SNSRKS, Saharsa

(7) प्रश्न :- सिन्धुसभ्यता के सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक कारणों का वर्णन करें।

उत्तर :- विश्व की प्राचीन नदी घाटी की सभ्यता में सिन्धुघाटी की सभ्यता का अपना एक विशिष्ट स्थान है। 20वी शताब्दी के प्रारम्भिक चरण तक इस सभ्यता की जानकारी लोगों का नहीं थी लेकिन इस सभ्यता के प्रकाश में आते ही एक पूर्ण विकसित नागरिक सभ्यता का उदय हुआ जिससे सिन्धुघाटी के सभ्यता के नाम से जानते है।

① **आर्थिक कारण** – सिन्धुघाटी सभ्यता का आर्थिक जीवन कृषि पशुपालन एवं विभिन्न प्रकार के उद्योग पर अधारित था वैसे भी प्राचीन काल का सिन्धप्रदेश आज के सी सिन्धप्रदेश से काफी उरबर था क्योंकि उस समय का जीवन प्रकृति पर ही अधारित होता था। ~~जीवन~~ को जमीन को हलों की सहयता से जोता जाता था। और संभवत यह हल लकड़ी के बने होते थे। यही कारण है। कि सिन्धुघाटी के लोग विभिन्न प्रकार के अन्य, फल, शबजी उपजाया करते थे। वैसे हमे कपास की खेती का भी प्रमाण मिलता है। उस समय बहुत ज्यादे अनाज हो जाता था तो ~~सिपाक~~ कृषक लोग बड़े बड़े गढ्ढे खोदकर अनाज उसमे सुरक्षित रखते थे। लेकिन कृषि के साथ-साथ पशुपालन पर भी बहुत अधिक ध्यान देते थे, पशुओ से दूध, मास ऊन इत्यादि

Scanned By Scanner Go

डॉ॰ अनुजा कुमारी (History)
SNSRKS, Saharsa

मिलते थे साथ ही उसका उपयोग बोझा ढोने मे काम आते है। सिन्धुघाटी के लोग विभिन्न प्रकार का उघ उद्योग धन्धों का विकास किया जो उनकी नागरिक सभ्यता का प्रमुख मुख्य आधार था उसके आर्थिक जीवन मे कुम्भ कारी की भूमिका महत्व पूर्ण रही वे भावनो के लिए ईंट तो तैयार करते थे। साथ ही खाना खाने पीने की अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए, भोजन पकाने के लिए तथा बच्चे को खेलने के खिलौना मिट्टी के आभूषण इत्यादि बनाये जाते थे। बर्तन को पकाने रंगने तथा चमकाने तथा उन पर चित्र बनाने के लिए प्रचलित थे। वैसे तो यह बात अलग है कि बर्तन के अलावा कुछ पशु-पक्षी के आकृतिक वाले मिट्टी के खिलौना भी मिली है। सिन्धु घाटी के लोग अलग तरह से प्रचलित थे इतना ही नही वे लोग टिन और ताँबा को मिलाकर काँसा तैयार करता था क्यों कि हमे वहाँ काँसे का ही सुराही, कटोरा मिले है। यह बात अलग है कि सिन्धुघाटी के लोग लोहे से प्रचलित नही थे लेकिन सोने चाँदी से अवश्य ही प्रचलित थे। क्यों कि वहाँ हमे सोने चाँदी का बहुत से आभूषण मिले है। इससे पता चलता है। कि ऐसा लगता है कि वहाँ के लोग सोने चाँदी से प्रचलित थे उस समय पत्थर के सामान भी बनाये

Scanned By Scanner Go